

The Gozette of India

WANDAOATKEEXTRAORDINARY

भाग II—इण्ड 3—उप-इण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 393] नर्ष बिल्ली, बुधवार, अगस्त 26, 1981/माइ 4, 1903 No. 393] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 26, 1981/BHADRA 4, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था **वी जाती है जिससे कि यह बजय संसन्नव कै** रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

उद्योग मंत्रालय

(जोबोगिक विकास विभाग)

जाबेश

नई बिल्ली, 26 जगस्त, 1981

का. आ. 668 (अ) 18-वंक/आई की आर ए/81 :—भारत सरकार के उद्यौग मंत्रालय (अौद्योगिक विकास विभाग) के आवेश सं. का. आ. 694 (अ) 18-एक बी/आई डी आर ए/80, तारीख 28 अगस्त, 1980 (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और 634 G1/81 (1137) विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चक्त की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, यह घोषण की थी कि उक्त आदेश को जारी होने की सारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविधाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापत्रों, पंचाटों, स्थायी आवेशों या अन्य लिखितों का (उनसे भिन्न, जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभृत दायित्यों से संबंधित हैं) जिनका मैसर्ज शिवराज फाइन आर्ट लिथो वक्स, नागपुर या ऐसे बौद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे अवद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे अवद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हों, प्रवर्तन एक दर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोद्भृत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विश्वोषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेगी।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि एक वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चल की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) के सण्ड (ल) व्यारा प्रवत्त कविसयों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि 27 अगस्त, 1982 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिनिस है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 7(113) 80-पेपराः चन्द्र किकोर मोदी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 26th August, 1981

S.O. 668(E)/18FB/IDRA/81.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 694(E)|18FB|IDRA/80 dated the 28th August, 1980, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messes Shivraj Fine Art Litho Works, Nagpur or the Company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or Company shell remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year;

Now, thereofre, in exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 27th August, 1982.

[File No. 7(113)/80-paper]C. K. MODI, Jt. Secy.